हिन्दी विभाग

श्री सत्य साँई प्रौद्योगिकी एवं चिकित्सा-विज्ञान
विश्वविद्यालय सीहोर (मध्यप्रदेश)

चयन आधारित क्रेडिट पद्धति (सी.बी.सी.एस.) के अनुसार
एम.ए. (हिन्दी) दो वर्षीय पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम विवरणिका

(शैक्षणिक सत्र)

2019—20

विभागों की दृष्टि :

विश्वसनीयता, अखंडता और नैतिक मानकों के साथ लगातार बदलते सामाजिक आवश्यकताओं के लिए (हिंदी) में उच्चतर शिक्षा प्रदान करने के लिए एक उत्कृष्ट केंद्र होना।

विभागों का मिशन:

मिशन: के मिशन कार्यक्रम में हिंदी शिक्षार्थियों के बीच समाज के बारे में एक उद्देश्य समझ विकसित करना है। पाठ्यक्रम के माध्यम से शिक्षार्थियों को विभिन्न सामाजिक समस्याओं और स्थितियों के बारे में जागरूक बनाने और सामाजिक व्यवहार के सार्वभौमिक सिद्धांतों की खोज करने के लिए विभिन्न विशेष दृष्टिकोणों को संश्लेषित करने में उनकी मदद करने का प्रयास किया गया है।

2 उद्देश्य:

PO.1 ज्ञान: हिन्दी साहित्य के उद्देश्यों का कार्यक्रम है, हिन्दी **साहित्य के ज्ञान,**

विकास की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि के बारे में छात्रों मे समझ लागू करना।

PO.2 जटिल समस्याओं की जांच - भारतीय समाज के बारे में शिक्षार्थियों को इसकी संरचना और संस्थानों पर चर्चा के साथ संवेदनशील बनाना औरप्राचीन हिन्दी साहित्य की जांच करना |

PO 3 हिन्दी और समाज - समाज के सामने आने वाली प्रक्रियाओं, मुद्दों और सामाजिक समस्याओं के बारे में जानने वालों को जागरूक करना हिन्दी साहित्य की जानकारी देना | .

po 4 - पर्यावरण और स्थिरता: सामाजिक और पर्यावरण संदर्भों में हिन्दी

के प्रभाव को समझें , और स्थायी विकास के लिए ज्ञान का प्रदर्शन करें, और इसकी आवश्यकता है।

Po 5 - नैतिकता: नैतिक सिद्धांतों को लागू करें और हिन्दी साहित्य के

अभ्यास के पेशेवर नैतिकता और जिम्मेदारियों और मानदंडों के लिए प्रतिबद्ध हैं ।

Po6 कार्य प्रणाली - राजनीतिक एवं सामाजिक प्रणाली की प्रकृति और कार्यप्रणाली और राजनीतिक प्रक्रियाओं के साथ शिक्षार्थियों को हिन्दी साहित्य से परिचित करना।

Po7- व्यक्तिगत और टीम का काम: एक व्यक्ति के रूप में, और टीमों में एक सदस्य या नेता के रूप में और बहु-विषयक सेटिंग्स में प्रभावी ढंग से कार्य करना।

Po8 - संचार:

हिन्दी समुदाय और बड़े पैमाने पर समाज के साथ प्रभावी ढंग से संवाद करें। प्रभावी रिपोर्ट प्रलेखन को समझने और लिखने में सक्षम हो और प्रभावी प्रस्तुतियों, और देने के लिए और स्पष्ट निर्देश प्राप्त करते हैं।

po.9 - जीवन भर सीखने: साहित्यक क्षेत्र के व्यापक संदर्भ में स्वतंत्र और जीवन भर सीखने में संलग्न होने की तैयारी और क्षमता की पहचान करें ।

मिशन और लक्ष्यों के साथ कार्यक्रम की प्रासंगिकता :

दूरस्थ शिक्षा निदेशालय, SSSUTMS के पास इस मिशन के साथ संबंधित होने के लिए अप्रकाशित तक पहुंचने के लिए दृष्टि है, हिंदी कार्यक्रम दरवाजा चरण में शिक्षार्थियों को उच्च शिक्षा प्रदान करने का एक प्रयास है। कार्यक्रम हिंदी समाज एवं राष्ट्र के बारे में हमारी समझ को बेहतर बनाता है और सामाजिक क्रिया शक्ति बढ़ जाती है। यह समझना महत्वपूर्ण है एक व्यक्ति की सहायता करता है खुद को, अपने क्षमता, प्रतिभा और सीमाओं और यह उसे खुद को बदलती परिस्थितियों, समाज के ज्ञान, सामाजिक समूहों, सामाजिक संस्थानों, संघों, उनके कार्यों आदि के लिए समायोजित करने में सक्षम बनाता है जो हमें एक प्रभावी सामाजिक जीवन जीने में मदद करता है। हिंदी, तर्कसंगत और उदार बनने के लिए हमें बनाया है। इसने छात्रों को अपने पूर्वाग्रहों, भ्रांतियों, अहंकारी महत्वाकांक्षाओं और वर्ग और धार्मिक घृणाओं को दूर करने के लिए प्रभावित किया है। इसके अलावा, हिंदी के शिक्षार्थी कारखानों और सरकार, सामाजिक सुरक्षा, अपराधियों के सुधार , सामाजिक कल्याण, शिक्षा और परिवार नियोजन आदि के क्षेत्र में काम करने के लिए पात्र हैं।

C. शिक्षार्थियों के संभावित लक्ष्य समूह की प्रकृति:

हिंदी में कार्यक्रम के लिए शिक्षार्थियों का लक्षित समूह वे हैं जिन्होंने कला के साथ अपना इंटरमीडिएट पूरा किया है, (बी) सेवा कर्मियों में अपने कौशल और ज्ञान को बेहतर बनाने के लिए तत्पर हैं ताकि वे अपने स्वयं के संगठन में सीढ़ी पर जा सकें। अन्यत्र और (ग) ऐसे व्यक्ति जो विभिन्न कारणों से समाजशास्त्र में उच्च शिक्षा प्राप्त करने में असमर्थ हैं।

D. विशिष्ट कौशल और क्षमता प्राप्त करने के लिए ओपन और डिस्टेंस लर्निंग मोड में आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रम की उपयुक्तता :

हिंदी को समझने के लिए हिन्दी को दूरस्थ शिक्षा में आयोजित किया जाना है।

PEO यह शिक्षार्थियों को आधुनिक बदलती परिस्थितियों पर अद्यतित होने में मदद करता है।

PEO शिक्षार्थियों अच्छे नागरिक बनने के लिए और वे समुदाय समस्याओं के समाधान के लिए योगदान करते हैं।

PEO समाज का ज्ञान और योजना बनाने के लिए हिंदी ज्ञान सहायक होता है। यह सामाजिक सुधार और सामाजिक पुनर्गठन का एक वाहन है।

PEO शिक्षार्थी आदिवासी समाज और समस्याओं के बारे में अध्ययन कर सकेंगे। यह आदिवासी लोगों के सामाजिक कल्याण को बढ़ावा देने के लिए कई सामाजिक उपायों को करने में कई सरकारों की मदद करेगा।

PEO शिक्षार्थियों विभिन्न सामाजिक-आर्थिक, राजनीतिक और शैक्षिक मुद्दों पर अनुसंधान शुरू करने के लिए सक्षम हो जाएगा। अनुसंधान प्रक्रियाओं में विशेष रूप से प्रशिक्षित हिंदी व्यवसाय, सरकार, उद्योग, सामाजिक कल्याण, विज्ञापन, प्रशासन और सामुदायिक जीवन के कई अन्य क्षेत्रों में बढ़ती मांग में हैं।

एम .ए. हिन्दी

प्रस्तावना- एम .ए. हिन्दी स्नातकोत्तर स्तर का कार्यक्रम है जिसका मुख्य उद्देश्य विधार्थी के विवेक को विस्तार देते हुए गहन अध्ययन तथा शोध की उत्कंठा विकसित करना है| ज्ञान की शाखाओं के साथ साथ विश्व को सजग, आलोचनात्मक,विवेक शील और संवंदन शील व्यक्तितव की आवशयकता है ,जो समाज की नकारात्मक शक्तियों के विरुद्ध समानता और बंधुतत्व के भाव की स्थापना कर सके साहित्य का अध्य्यन मनुष्य को इस संदर्भ मेँ विस्तार देता है तथा मानवता की विजय मे उसके विश्वास को दृढ़ करता है | भाषा आलोचना ,काव्य शास्त्र का अध्ययन जहां सैद्धांतिक समझ को विस्तृत कर्ता है वहीं कविता, नाटक, कहानी मेँ उन सिद्धांतों को व्यवहारिक रूप समझने की युक्तिया छिपी रहती है | इस प्रकार एम ए हिन्दी का पाठ्यक्रम विधार्थी को सैद्धांतिक और व्यवहारिक दोनों रूपो मेँ सक्षम बनाता है |साथ ही पाठ्यक्रम की सरचना इस बात की आज़ादी भी देती है की वह की एच्छिक पाठ्यक्रम में अपनी इच्छा से विभिन्न विषय पढ़ सके |

उद्देश्य-

एम.ए. पाठ्यक्रम का उद्देश्य विधार्थी को स्नातक के पश्चात विषयों का गभीर अध्य्यन की ओर प्रेरित करना है एम ए पाठ्यक्रम को चार सेमेस्टर विभाजित करते हुए 98 क्रेडिट के रूप मेँ प्रस्तुत किया गया है | मूल पाठ्यक्रम को 4 प्रश्नोपत्र का विभाजन तीन सत्रो मेँ किया गया है ,साथ ही

चतुर्थ सत्र में एछिक प्रश्न पत्र तथा द्वितीय-चतुर्थ सत्र में मुक्त एछिक पाठ्यक्रम का प्रावधान हें जिससे विधार्थी की अंतर अनुशासनिक समझ का भी विस्तार होता हें |सभी विद्यार्थियों के लिए प्रयोजन कार्य का भी प्रावधान हें जिससे भविष्य में शोध की राहें भी सुगम हो सके |

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य भाषा और समाज की जटिल संबंधो की पहचान करना भी हें | जिससे विधार्थी देश,समाज।राष्ट्र और विश्व के साथ बदलते समय में व्यापक सरोकारों से अपना संबंध जोड़ सके साथ ही साथ उसकी भाषा कोशल ,लिखने और सम्प्रेषण क्षमता का विकास हो सकें भाषा विज्ञान ,शैली विज्ञान,अनुवाद, सौंदर्य शास्त्र ,जनसंचारमाध्यम हिन्दी साहित्य ,भारतीय साहित्य और प्रयोजन मूलक भाषा विज्ञान आदि विषयों का अध्य्य्न विद्यार्थियों के क्षितिज का विस्तार करने में सहायक हें |

परिणाम- इस पाठ्यक्रम को पढ़ने पढ़ाने की दिशा मैं निम्न लिखित परिणाम सामने आएगे

1) इस पाठ्यक्रम के माध्यम से सीखने सीखाने की प्रक्रिया में हिन्दी भाषा का आरंभिक स्तरसे अब तक बदलते रूपों की जानकारी प्राप्त की जा सकेगी |
2) भाषा के सैद्धांतिक रूप के साथ-साथ व्यवहारिक पक्ष को भी जाना जा सकेगा |
3) उच्च शैक्षिक स्तर पर हिन्दी भाषा किस प्रकार महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हे , इससे संबन्धित परिणामो को प्राप्त किया जा सकेगा |
4) छात्र हिन्दी भाषा को सीखने की प्रक्रिया में भाषागत मूल्यों को व्यवहारिक रूप से भी जान सकेंगे
5) व्यवसायिक क्षमता को बढ़ावा देने के लिए भाषा,अनुवाद,कम्प्युटर और सिनेमा जैसे विषयों को हिन्दी से जोड़कर पढ़ना ,जिससे बाज़ार के लिए अवश्यक योगिता का भी विकास किया जा सकेगा |
6) हिन्दी के अतिरिक्त भारतीय भाषा का ज्ञान भी अपेक्षित रहेगा जो छत्रों के व्यक्तित्व विकास मई सहायक होगा तथा अभिव्यक्ति क्षमता का विकास भी किया जा सकेगा |
7) साहित्य के माध्यम से सौंदर्य बोध ।नैतिकता ,पर्यावरण आउर सामाजिक समरसता संबंधी विषयों की समझ विकसित होगी |
8) साहित्य की विधाओ के माध्यम से विद्यार्थियों की रचनात्मकता को दिशा दशा कविता ,कहानी और नाटक जैसी विधाओं द्वारा विधार्थी की रचनात्मकता को प्रोत्साहित करना |
9) साहित्य का आदिकालीन संदर्भों से लेकर समकालीन रूप से परिचय करना जिससे विधार्थी साहित्यकार और युगबोध का संबंध को परख और पहचान सके
10) साहित्य विकास का निर्माण करते हुए सूचना प्रोध्योगिकी के क्षेत्र में हिन्दी के दखल प्रौद्यौगिकी की जानकारी मीडिया के प्रतिवेदन का निर्माण कर सकें |

11) प्राचीन और नवीन भारतीय एवं पाश्चात्य सौंदर्य सिद्धांतों तथा काव्यशास्त्रीय प्रतिमानों का अध्य्यन विश्लेषण करने की क्षमता विकसित होगी |

शिक्षण -प्रशिक्षण प्रक्रिया

सीखने की प्रक्रिया मेँ इस पाठ्यक्रम मेँ हिन्दी भाषा दक्षता कोमजबूती देती हें |छात्र हिन्दी भाषा मेँ नयेपन और वैश्विक माध्यम की निर्माण प्रक्रिया मेँ सहायक बन सकें अपनी भाषा मेँ व्यवहारकुशलता एवं निपुणता प्राप्त कर सकें साहित्य की समझ विकसित हो सकें तथा आलोचनात्मक साहित्यक विवेक निर्मित किया जा सके इसके लिए निम्न बिन्दुओं को देखा जा सकता हैं |

कक्षा व्याख्यान

समूहिक परिचर्चा

सेमिनार योजना

साहित्यकता के समझ की दिशा

प्रदर्शन कलाओं को वास्तविक रूप में देखना

कक्षाओं मेँ पठन पाठन पद्धति

लिखित परीक्षा

दिनांक मूल्याकन

शोध सर्वे

वाद-विवाद

आशु प्रस्तुति

कम्प्युटर आदि का व्यवहारिक ज्ञान

दृश्य श्रव्य माध्यमों की जानकारी

काव्य वाचन पाठन और आलोचनात्मक मूल्यांकन

कथा पाठ और वाचन मेँ अंतर समझाना

आलोचनात्मक मूल्यांकन पर बल

मूल्याकन विधि -

1) हिन्दी भाषा का व्यवहारिक मूल्यों पर आधारित परियोजना कार्य व मूल्यांकन
2) भाषिक नमूना तैयार करना और विश्लेषणविध्यार्थियों का मौखिक और लिखित मूल्यांकन
3) पी.पी .टी. बनाने के लिए प्रोत्साहित करना
4) विधा विशेष के भाव सौंदर्य ,छंद ,अलंकार ,रस, गुण,शब्द आदि का सौंदर्य सभी आधुनिक संदर्भ मैं परिचित कराया जाना चाहिए |
5) भाव विश्लेषण पर आधारित प्रश्न उत्तर का मूल्यांकन करना |
6) पारंपरिक और आधुनिक तकनीकी माध्यमों की सहायता से अध्ययन -अध्यापन
7) समूह -परिचर्चा
8) सेमेस्टर परीक्षा के माध्यम से विषयगत जानकारी का मूल्यांकन

पाठ्यक्रम विवेरणिका

एम. ए. (हिन्दी) दो वर्षीय पाठ्यक्रम

भूमिका-

सेमेस्टर पद्धति को लागू करने की दृष्टि से एम ए हिन्दी का प्रस्तुत पाठ्यक्रम अपेक्षित संशोधन एवं परिवर्धन के बाद 2014 मै लागू किया गया था | सी.बी.सी.एस पद्धति के अनुसार यह पाठ्यक्रम वर्ष 2014-15 प्रथम सेमेस्टर से लागू किया गया पाठ्यक्रम एवं प्रश्न पत्रों के प्रारूप तथा अंक- विभाजन मेँ अपेक्षित एवं समुचित परिवर्तन किए गए है|

संबद्धता -

हिन्दी विभाग द्वारा प्रस्तावित यह पाठ्यक्रम श्री सत्य साईं विश्व विधालय के लिए होगा पाठ्यक्रम सरचना - एम ए हिन्दी का पाठ्यक्रम दो वर्षीय दो वर्षीय पाठ्यक्रम होगा जिसे दो विभागों मेँ विभाजित किया जाएगा प्रत्येक भाग मेँ दो -सेमेस्टर होंगे, जिन्हें

भाग	वर्ष	सेमेस्टर
I	प्रथम वर्ष	सेमेस्टर I सेमेस्टर II
II	द्वितिय वर्ष	सेमेस्टर III सेमेस्टर IV

विश्वविध्यलय अनुदान आयोग द्वारा निर्मित श्री सत्य साईं विश्व विध्यालय द्वारा स्वीकृत चार सेमेस्टर के चयन आधारित क्रेडेट पद्धति सी बी सी एस के अंतर्गत सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तथा मूल्याकन पद्धति को तैयार किया गया हें |प्रत्येक छात्र को उत्तीर्ण होने के लिए एम.ए.

उपाधि के अंतर्गत कुल 98 क्रेडेट अर्जित करने होंगे

सेमेस्टरवार प्रश्न पत्रों का विवरण इस प्रकार होगा :

(06) Programme PO's and PSO's Mapping

			PO 1	PO 2	PO3	PO4	PO 5	PO 6	PO7	PO 8	PO 9	PO10	PO1 1	PO 12		
S. No	**Program**	**Courses Category**	Engineering Knowledge	Problem Analysis	Design/ Development of Solution	Investigation	Modern Tool Usage	The Engineer and Society	Environment and Sustainability	Ethics	Individual and Team Work	Communication	Project Management	Life-Long Learning	**PSO 1**	**PSO 2**
1	MAHINDI	Humanities and Social Sciences including Management courses		*	*	*			*		*	*		*	*	*
2		Basic Science courses														
3		Engineering Science courses including workshop, drawing, basics of electrical/mechanical/computer etc.														
4		Professional core courses	*	*	*	*			*			*		*		
5		Professional Elective courses relevant to chosen specialization/branch														
6		Open subjects – Electives from other technical and /or emerging *subjects		*	*			*			*			*		*
7		Project work, seminar and internship in industry or elsewhere	*		*			*		*		*		*		*
8		Specific core subject														
9		Mandatory Course (Non credit)														

(07) Semester wise PO's and SPO's Mapping

posSemester	Name of the Courses/POs(Basic,	PO 1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9		
	Core Electives, Projects, Internships etc.)	ज्ञान	जटिल समस्याओं की जांच	3 हिन्दी और समाज	पर्यावरण और स्थिरता	नैतिकता	कार्य प्रणाली	व्यक्तिगत और टीम का काम	संचार	- जीवन भर सीखने	Pos 1	Pos2
Semester-Ist	प्राचीन एवं मध्य कालीन काव्य और इसका इतिहास	*	*				*	*	*		*	*
	आधुनिक हिन्दी गद्य और उसका इतिहास	*		*		*	*	*	*		*	
	भारतीय एवं प्राचीन काव्य शास्त्र	*	*			*		*				
	प्रयोजक मूलक हिन्दी	*	*								*	
Semester-IInd	प्राचीन एवं मध्य कालीन काव्य और उसका इतिहास	*			*			*	*			
	आधुनिक हिन्दी गद्य और उसका इतिहास	*		*			*	*			*	
	भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य शास्त्र			*					*		*	
	प्रायोजक मूलक हिन्दी	*		*			*	*			*	

Semester	Name of the Courses/POs(Basic Core, Electives, Projects, Internships etc.)	PO 1 ज्ञान	PO2 जटिल समस्याओं की जांच	PO3 3 हिन्दी और समाज	PO4 पर्यावरण और स्थिरता	PO5 नैतिकता	PO6 कार्य प्रणाली	PO7 व्यक्तिगत और टीम का काम	PO8 संचार	PO9 - जीवन भर सीखने	Pos 1	Pos2
Semester-IIIrd	आधुनिक हिन्दी काव्य और उसका इतिहास	*	*		*	*		*	*		*	
	भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा	*	*	*	*	*	*	*	*		*	
	हिन्दी साहित्य का इतिहास	*	*	*		*	*	*	*		*	
	प्रेमचंद	*	*	*		*	*	*	*		*	
	भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा	*		*		*	*	*	*		*	
Se	प्राचीन एवं हिन्दी	*	*				*	*	*		*	*
Semester-IVth	साहित्य का इतिहास	*			*				*		*	
	आधुनिक हिन्दी का कवि ओर उसका इतिहास	*						*	*		*	
	सूरदास											

mester-Ist	मध्य कालीन काव्य और इसका इतिहास											
	आधुनिक हिन्दी गद्य और उसका इतिहास	*	*					*			*	
	भारतीय एवं प्राचीन काव्य शास्त्र	*		*				*			*	
	प्रयोजक मूलक हिन्दी	*		*		*			*			
Semester-IInd	प्राचीन एवं मध्य कालीन काव्य और उसका इतिहास		*			*		*			*	
	आधुनिक हिन्दी गद्य और उसका इतिहास	*					*	*	*		*	
	भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य शास्त्र	*				*		*	*		*	
	प्रायोजक मूलक हिन्दी	*		*		*		*			*	
Semester-IIIrd	आधुनिक हिन्दी काव्य और उसका इतिहास	*				*		*	*		*	
	भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा	*	*				*	*				
	हिन्दी साहित्य का इतिहास	*				*		*			*	
	प्रेमचंद	*	*		*			*	*			
Semester-IVth	**भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा**	*	*	*				*				

	हिन्दी साहित्य का इतिहास	*	*	*	*	*	*	*	*		*	
	आधुनिक हिन्दी का कवि ओर उसका इतिहास	*	*	*	*	*	*	*	*		*	
	सूरदास											

MA HINDI FIRST SEMESTER

SUBJECT CODE	SUBJECT NAME	THEORY						PRACTICAL		TOTAL	
		PAPER		CCE / INTERNAL		TOTAL MARKS		MAX	MIN	MAX	MIN
		MAX	MIN	MAX	MIN	MAX	MIN				
HIN-101	प्राचीन एवं मध्य कालीन काव्य और इसका इतिहास	70	28	30	10	100	38	0	0	100	38
HIN-102	आधुनिक हिन्दी गद्य और उसका इतिहास	70	28	30	10	100	38	0	0	100	38
HIN-103	भारतीय एवं प्राचीन काव्य शास्त्र	70	28	30	10	100	38	0	0	100	38
HIN-104	प्रयोजक मूलक हिन्दी	70	28	30	10	100	38	0	0	100	38

MA - HINDI
SECOND SEMESTER

SUBJECT CODE	SUBJECT NAME	CCE/INTERNAL		THEORY		TOTAL	
		MAX	MIN	MAX	MIN	MAX	MIN
HIN-201	प्राचीन एवं मध्य कालीन काव्य और उसका इतिहास	30	12	70	28	100	40
HIN-202	आधुनिक हिन्दी गद्य और उसका इतिहास	30	12	70	28	100	40
HIN-203	भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य शास्त्र	30	12	70	28	100	40
HIN-204	प्रायोजक मूलक हिन्दी	30	12	70	28	100	40

COURSWISE SCHEME 2015-16
MA Hindi 3 SEMESTER

SUBJECT CODE	SUBJECT NAME	THEORY						PRACTICAL		TOTAL	
		PAPER		CCE / INTERNAL		TOTAL MARKS		MAX	MIN	MA X	MIN
		MAX	MIN	MAX	MIN	MAX	MIN				
HIN301	आधुनिक हिन्दी काव्य और उसका इतिहास	70	28	30	10	100	38	0	0	100	38
HIN302	भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा	70	28	30	10	100	38	0	0	100	38
HIN303	हिन्दी साहित्य का इतिहास	70	28	30	10	100	38	0	0	100	38
HIN304	प्रेमचंद	70	28	30	10	100	38	0	0	100	38

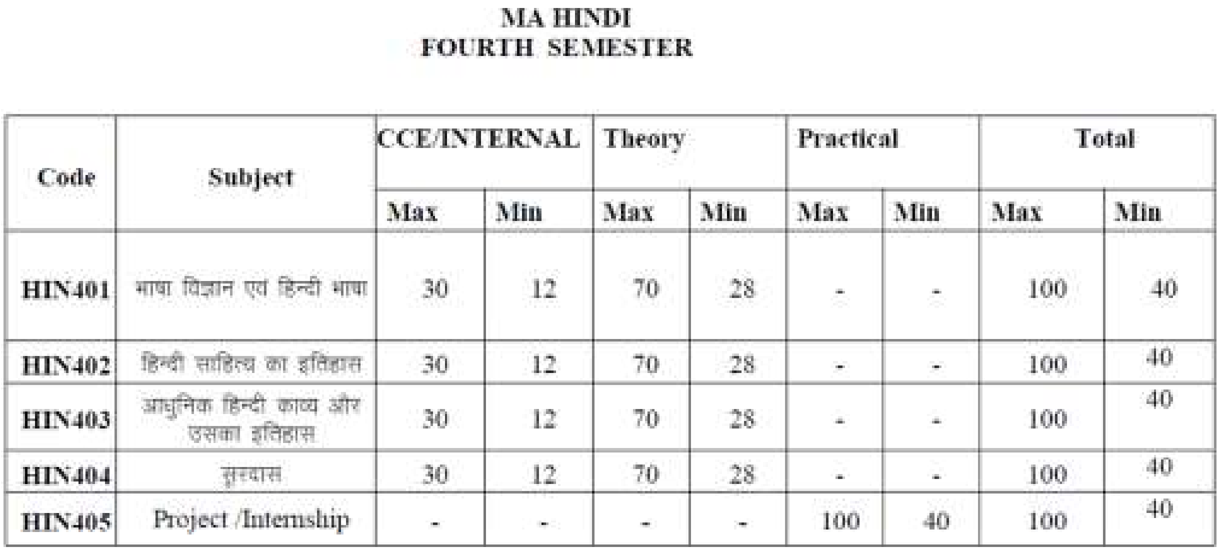

MA HINDI
FOURTH SEMESTER

Code	Subject	CCE/INTERNAL		Theory		Practical		Total	
		Max	Min	Max	Min	Max	Min	Max	Min
HIN401	भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा	30	12	70	28	-	-	100	40
HIN402	हिन्दी साहित्य का इतिहास	30	12	70	28	-	-	100	40
HIN403	आधुनिक हिन्दी काव्य और उसका इतिहास	30	12	70	28	-	-	100	40
HIN404	सूरदास	30	12	70	28	-	-	100	40
HIN405	Project /Internship	-	-	-	-	100	40	100	40

HIN-101

प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य तथा उनका इतिहास

अंक–70

कोर्स आब्जेक्टिव–

हिन्दी साहित्य के प्राचीन एवं मध्यकालीन इतिहास का विश्लेषणात्मक ज्ञान देना। मध्यकालीन साहित्य से संबंधित अवधारणाओं और उनके प्रति विभिन्न मतों का परिचय देना।

कोर्स लर्निंग आउटकम्स– हिंदी साहित्य के मध्यकालीन युग का विशिष्ट ज्ञान।

इतिहास, आलोचना और विचारकों की समझ विकसित होगी।

इकाई– 1. **(12 घंटे)** व्याख्यांश

1. विद्यापति– 20 पद (विद्यापति, जय भारती प्रकाशन, इलाबाद) पद क्रमांक–1,4,5,7,8,11,12,14,15, 16,20,22,23,26,27,28,31,35,36,39,
2. कबीर–कबीर ग्रंथावली–डॉ. श्याम सुन्दर दास गुरूदेव को अंग (साखी क्रमांक 1 से 10), सुमिरण को अंग (साखी कमांक 1 से 10), विरह को अंग (साखी कमांक 1 से 10), ज्ञान–विरह के अंग (साखी कमांक 1 से 10) परचा को अंग (साखी कमांक 1 से 10)
3. जायसी–पद्मा व संपादक–आचार्य रामचन्द्र शुक्ल पद क्रमांक–1, 11, 16,21, 24, 50,60,65,69,70 (दस पद) (मानस रोद क खण्ड एवं नागमती वियोग खंण्ड)

इकाई– 2 . **(10 घण्टे)** विद्यापति, कबीर और जायसी से सम्बन्ध आलोचना त्मकप्रश्न

इकाई– 3 **(10 घण्टे)** प्राचीन काल एवं मध्य कालीन काव्य (निर्गुण धारा) का इतिहास : प्रमुख प्रवृत्तियां एवं रचना कारो से सम्बन्धित प्रश्न

इकाई–4 **(10 घण्टे)** द्रुतपाठ के कवि–चन्दबर दाई ,अमीर खुसरो, रैदास, नाम देव से सम्बन्धित लघुउत्तरीय प्रश्न

इकाई– 5 **(10 घण्टे)**वस्तुनिष्ठप्रश्न (सम्पूर्ण पाठ्यक्र से)

HIN102

आधुनिक हिन्दी गद्य और उसका इतिहास।

अंक–70

कोर्स आब्जेक्टिव–

हिन्दी साहित्य में आधुनिक हिन्दी गद्य और उसका इतिहास का विश्लेषण। विभिन्न लेखकों और उनकी कृतियों का विशिष्ट ज्ञान।

कोर्स लर्निंग आउटकम्स–

हिन्दी साहित्य के गद्‌य का विशिष्ट ज्ञान प्रमुख लेखकों और उनकी कृतियों की समझ विकसित होगी।

इकाई–1**(12 घण्टे)** व्याख्यांश

1. स्कन्दगुप्त – जय शंकरप्रसाद
2. आधे–अधूरे – मोहन राकेश
3. गोदान – प्रेमचन्द

इकाई– 2**(10 घण्टे)** स्कन्दगुप्त, आधे– अधूरे एवंगोदानसेसमीक्षकप्रश्न

इकाई– 3**(10 घण्टे)** हिन्दी नाटक, रंगमंच एवं उपन्यास के इतिहास की विविध प्रवृत्तियाँ और रचनाकारों पर निबंधात्मकप्रश्न

इकाई– 4**(10 घण्टे)** लघुउत्तरीय प्रश्न–द्रतपाठ में निर्धारित गद्यकारों से सम्बद्ध दो लघुउत्तरीय प्रश्न होंगे

1 नाटकारा–भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, डॉ. रामकुमार वर्मा, जगदीशचन्द्र माथुर, धर्मवीरभारती, लक्ष्मीनारायण लाल।

2 उपन्यासकार–जैनन्द्र, अमृतलाल नागर, निर्मल वर्मा, भीष्म साहनी, मन्नू भंडारी

HIN103

भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र

अंक–70

कोर्स आब्जेक्टिव–

भारतीय पाश्चात्य काव्यशास्त्र की समझ विकसित होगी। कृतियों के विश्लेषण हेतु पाश्चात्य चिंतन का पक्ष स्पष्ट होगा।

कोर्स लर्निंग आउटकक्स–

पाश्चात्य काव्यशस्त्र की समझ भाषा, कला की आवश्यकता और जीवन के बीच आलोचनात्मक संबंध निर्माण करती है। इससे पाश्चात्य चिंतन परंपरा की समझ विकसित होगी।

इकाई– 1 **(12 घण्टे)** संस्कृत काव्य शास्त्र –काव्य–लक्षण–हेतु, काव्य–प्रयोजन, काव्य के प्रकार रस–सिद्धांत रस का स्वरूप, रस निष्पत्ति, रस अंग, साधारणीकरण, सह्दय की अवधारणा।

अलंकार–सिद्धांत–मूल स्थापनाए, अलंकारों की वर्गीकरण।

इकाई– 2 **(10 घण्टे)** रीति–सिद्धांत– रीति की अवधारणा, काव्य–गुण एवं शैली,रीति सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएं।

वक्रोक्ति सिद्धांत–वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति के भेद, वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद।

इकाई– 3 **(10 घण्टे)** ध्वनि सिद्धान्त– ध्वनि का स्वरूप, ध्वनि–सिद्धान्त की प्रमुख स्थापनाएं, ध्वनिकाव्य के प्रमुख भेद, गुणीभूत व्यंग्य, चित्रकाव्य।

औचित्य सिद्धान्त–प्रमुख स्थापनाए, औचित्य के भेद।

इकाई– 4**(10 घण्टे)** हिन्दी कवि–आचार्यो का काव्य शास्त्रीय चिंतन– लक्षण–काव्य परंपरा एवं कवि शिक्षा।

इकाई– 5**(10 घण्टे)** हिन्दी आलोचना की प्रमुख प्रवृत्तियाँ – शास्त्रीय, व्यक्तिवादी / सौष्ठववादी, ऐतिहासिक, तुलनात्मक, मनोविश्लेषणवादी, सौन्दर्यशास्त्रीय, शेली वैज्ञानिक और समाज शास्त्रीय।

HIN104

प्रयोजन मूलक हिन्दी।

अंक–70

कोर्स आब्जेक्टिव–

प्रयोजनमूलक हिन्दी का विश्लेषणात्मक ज्ञान प्रयोजनमूलक हिन्दी और उनके माध्यमों का व्यवहारिक प्रयोग।

कोर्स लर्निंग आउटकम्स–

प्रयोजनमूलक हिन्दी की सैद्धांतिक समझ प्रयोजनमूलक हिन्दी के विश्लेषण की क्षमता।

इकाई–1(10 घण्टे) कामकाजी हिन्दी–

1. हिन्दी के विभिन्न रूप –सर्जनात्मक भाषा, संचार भाषा, राष्ट्र भाषा, राजभाषा माध्यम भाषा, मातृभाषा।
2. कार्यालयीन हिन्दी, राजभाषा के प्रमुख प्रकार्य–प्रारूपण, पत्र–लेखन संक्षेपण, पल्लव, टिप्पणी।

इकाई–2 **(10 घण्टे)** पारिभाषिक शब्दावली–स्वरूप एवं महत्तव् पारिभाषिक शब्दावली के उदारणार्थ एवं उनका व्यावहारिक प्रयोग।

इकाई–3 (10 घण्टे)हिन्दी कम्प्यूटिंग–

1. कम्प्यूटर : परिचय, रूपरेखा, उपयोग तथा वेब पब्लिशिंग का परिचय।
2. इंटरनेट, संपर्क उपकरणों का परिचय, प्राथमिक, रख–रखाव एवं इंटरनेट समय मितव्ययिता के सूत्र।
3. वेबपब्लिकेशन।
4. इंटर एक्सरलोइट अथवा नेट स्केपलिंग।
5. लिंगब्राउजिंग, पोर्टल, ई–मेल भेजना/ प्राप्त करना, हिन्दी के प्रमुख इंटरनेट पोर्ट डाउनलोडिंग एवं अपलोडिंग हिन्दी सॉफ्टवेयर, पैकेज।

इकाई–4 (10 घण्टे)1. पत्रकारिता–स्वरूप एवं विभिन्न प्रकार ।

2 हिन्दी पत्रकारिता का संक्षिप्त इतिहास।
3. समाचार–लेखन, कला ।
4. संपादन के आधार भूततत्त्व
5. व्यावहारिक प्रूफ शोधन।

इकाई–5–(10 घण्टे) 1. पत्रकारिता : शीर्षक की संरचना, लीड, इंट्रो एवं शीर्षक संपादन।

2. संपादकीय लेखन

(i) पृष्ठसज्जा

(ii) साक्षात्कार, पत्रकार वार्ता प्रेस प्रबंधन

(iii) प्रमुख प्रेसकानून एवंआचारसंहिता

HIN-201

प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य तथा उनका इतिहास

अंक–70

कोर्स आब्जेक्टिव–

हिन्दी साहित्य के प्राचीन एवं मध्यकालीन इतिहास का विश्लेषणात्मक ज्ञान देना। मध्यकालीन साहित्य से संबंधित अवधारणाओं और उनके प्रति विभिन्न मतों का परिचय देना।

कोर्स लर्निंग आउटकम्स– हिंदी साहित्य के मध्यकालीन युग का विशिष्ट ज्ञान।

इतिहास, आलोचना और विचारकों की समझ विकसित होगी।

पूर्णांक: 70

एम.ए. हिन्दी द्वितीय सेमेस्टर

प्रश्न पत्र –

इकाई – 1 (घण्टे 10) व्याख्यांश

सूरदास– भ्रमरगीत सार–संपादक रामचंद्र शुक्ल, पद क्रमांक 51 से 100

तुलसीदास– राम चरित मानस–अयोध्या कांड, दोहा, क्रमांक 51 से 100

बिहारी– बिहारी रत्नाकार–संपादक जगन्नाथ रत्नाकार, दोहा क्रमांक 1 से 50 ।

इकाई –2 **(घण्टे 10)** सूरदास, तुलसीदास एवं बिहारी से सम्बन्धित निबन्धातमक प्रश्न

इकाई – 3 **(घण्टे 10)**भक्तिकाल (सगुण भक्तिधारा) एवं रीतिकाल का इतिहास, प्रवृत्तियाँ और प्रमुख रचनाकारों से सम्बन्धित निबन्धात्मक प्रश्न

इकाई –4 **(घण्टे 10)** द्रुतपाठ के कवि–नन्ददास, मीराबाई, घनानंद और केशव से सम्बन्धित

लघुउत्तरीय प्रश्न

इकाई–5 **(10 घण्टे)** वस्तुनिष्ठ प्रश्न (सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से

HIN102

आधुनिक हिन्दी गद्य और उसका इतिहास।

अंक–70

कोर्स आब्जेक्टिव–

हिन्दी साहित्य में आधुनिक हिन्दी गद्य और उसका इतिहास का विश्लेषण। विभिन्न लेखकों और उनकी कृतियों का विशिष्ट ज्ञान।

कोर्स लर्निंग आउटकम्स–

हिन्दी साहित्य के गद्‌य का विशिष्ट ज्ञान प्रमुख लेखकों और उनकी कृतियों की समझ विकसित होगी।

कोड- 202

पूर्णांक **-**70

एम.ए. हिन्दी द्वितीय सेमेस्टर

प्रश्न पत्र – द्वितीय

इकाई – **I(10 घण्टे)** व्याख्यांश

1. बाणभट्ट की आत्मकथा–हजारी प्रसाद द्विवेदी

2. निबन्ध–

(i) देश सेवा का महत्व– बालकृष्ण भट्ट

(ii) म्युनिसीपलेटी के कारनामें–महावीर प्रसाद द्विवेदी

(iii) काव्य में लोकमंगल की साधनावसा–आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

(iv) अशोक के फूल–हजारीप्रसाद द्विवेदी

(v) मेरे राम का मुकुट भीग रहा है–विद्यानिवास मिश्र

(vi) प्रिया नीलकंठी–कुबेरनाथ राय

(vii) पगडण्डियों का जमाना–हरिशंकर परसाई

3- निर्धारित कहानियाँ

(i) उसने कहा था (चन्द्रधर शर्मा गुलेरी)

(ii) पूस की रात (प्रेमचंद)

(iii) गुण्डा (जयशंकर प्रसाद)

(iv) अपना अपना भाग्य (जैनेन्द्र कुमार)

(v) लंदन की एक रात (निर्मल वर्मा)

(vi) राजा निरबंसिया (कमलेश्वर)

(vii) सिक्का बदल गया (कृष्णा सोबती)

4- पथ के साथी –महोदवी वर्मा

इकाई –**II (10 घण्टे)**बाणभट्ट की आत्मकथा, निर्धारित निबन्ध, कहानी एवं पथ के साथी से समीक्षात्मक प्रश्न

ईकाई –**III (10 घण्टे)**हिन्दी, कहानी, निबन्ध एवं अन्य गद्य विधाओं (रेखाचित्र, संस्मरण, आत्मकथा, जीवनी, यात्रावृत्तान्त, व्यंग्य आदि) के इतिहास प्रवृत्तियाँ और प्रमुख रचनाकारों से सम्बद्ध निबन्धात्मक प्रश्न।

इकाई –**IV (10 घण्टे)**लघुउत्तरीय प्रश्न–

द्रपपाठ हेतु निर्धारित निम्न गद्यकारों पर केन्द्रित दो लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे–

निबंधकार – भारतेन्दु हरिशचन्द्र, प्रताप नारायण मिश्र, बालमुकुन्द गुप्त, सरदार पूर्ण सिंह।

कहानीकार –अज्ञेय, यशपाल, फणीश्वरनाथ रेणु, भीष्म साहनी, अमरकांत

स्फुट ग्रंथ –1. अमृतराय (कलम का सिपाही); 2. शिवप्रसादसिंह उत्तर योगी; 3. हरिवंशराय बच्चन (क्या भूलूँ क्या याद करूँ); 4. राहुल सांकृत्यायन (घुमक्कड़ शास्त्र); 5. माखनलाल चतुर्वेदी, साहित्य देवता)

इकाई –**V (घण्टे 10)**वस्तुनिष्ठ प्रश्न (सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से)

HIN103

भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र

अंक–70

कोर्स आब्जेक्टिव–

भारतीय पाश्चात्य काव्यशास्त्र की समझ विकसित होगी। कृतियों के विश्लेषण हेतु पाश्चात्य चिंतन का पक्ष स्पष्ट होगा।

कोर्स लर्निंग आउटकक्स–

पाश्चात्य काव्यशस़्त्र की समझ भाषा, कला की आवश्यकता और जीवन के बीच आलोचनात्मक संबंध निर्माण करती है। इससे पाश्चात्य चिंतन परंपरा की समझ विकसित होगी।

पूर्णांक: 70
प्रश्न पत्र – तृतीय
इकाई – **I (10 घण्टे)**प्लेटो : काव्य सिद्धांत
अरस्तु : अनुकरण – सिद्धान्त, त्रासदी– विवेचन,
विरेचन सिद्धान्त
लोंजाइनस : उदात्त की अवधारणा
इकाई – **II(10 घण्टे)** ड्राइडन के काव्य सिद्धान्त
वडर्सवर्थ : काव्य – भाषा का सिद्धान्त
कॉलरिज : कल्पना – सिद्धान्त और
ललित–कल्पना
इकाई – **III (10 घण्टे)**मैथ्यू आर्नल्ड : आलोचना का स्वरूप और प्रकार्य
टी.एस. इलियट : परंपरा की परिकल्पना और वैयक्तिक प्रज्ञा निर्वैयक्तिकता का सिद्धान्त, वस्तुनिष्ठ समीकरण, संवेदनशीलता का असाहचर्य आई.ए. रिचर्डस : रागात्मक अर्थ। संवेगो का संतुलन, व्यावहारिक आलोचना।
इकाई – **IV (10 घण्टे)**सिद्धान्त और वाद : अभिजात्यवाद, स्वच्छंदतावाद, अभिव्यंजनावाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषण तथा अस्तित्ववाद।
इकाई – **V (10 घण्टे)**आधुनिक समीक्षा की विशिष्ट प्रवृत्तियाँ : संरचनावाद, शैलीविज्ञान, विखंडनवाद, उत्तर आधुनिकतवाद।
अंक विभाजन

1. आलोचनात्मक प्रश्न
2. लघुउत्तरीय प्रश्न
3. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

HIN104
प्रयोजन मूलक हिन्दी।

अंक–70

कोर्स आब्जेक्टिव–

प्रयोजनमूलक हिन्दी का विश्लेषणात्मक ज्ञान प्रयोजनमूलक हिन्दी और उनके माध्यमों का व्यवहारिक प्रयोग।

कोर्स लर्निंग आउटकम्स–

प्रयोजनमूलक हिन्दी की सैद्धांतिक समझ प्रयोजनमूलक हिन्दी के विश्लेषण की क्षमता।

ईकाई –I (10 घण्टे)मीडिया लेखन

1. जनसंचार– प्रौद्योगिकी एवं चुनौतियाँ
2. विभिन्न जनसंचार माध्यमों का स्वरूप –मुद्रण, श्रव्य, दृश्य–श्रव्य, इंटरनेट
3. श्रव्य माध्यम –रेडियो

मौखिक भाषा की प्रकृति, समाचार लेखन एवं वाचन, रेडियो नाटक, उद्घोषणा लेखन, विज्ञान लेखन, फीचर तथा रिपोर्ताज

ईकाई –II (10 घण्टे)

1. दृश्य–श्रव्य माध्यम (फिल्म, टेलीविजन, वीडियो), दृश्य माध्यमों में भाषा की प्रकृति, दृश्य एवं श्रव्य सामग्री का सामंजस्य पार्श्व वाचन, (वायस ओवर) पटकथा लेखन, टेलीड्रामा, डॉक्यू ड्रामा, संवाद –लेखन, साहित्य की विधाओं का दृश्य–माध्यमों का रूपान्तरण, विज्ञापन की भाषा
2. इंटरनेट सामग्री सृजन

ईकाई –III (10 घण्टे)

1. अनुवाद का स्वरूप, क्षेत्र, प्रक्रिया एवं प्रविधि।
2. हिन्दी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका।
3. कार्यालीयन हिन्दी और अनुवाद।
4. जनसंचार माध्यमों का अनुवाद।
5. विज्ञान में अनुवाद।
6. वैचारिक साहित्य का अनुवाद।

ईकाई –IV (10 घण्टे)1. वाणिज्यिक अनुवाद।
2. वैज्ञानिक, तकनीकी तथा प्रौद्योगिकी क्षेत्र में अनुवाद।
3. विधि–साहित्य ही हिन्दी और अनुवाद।
4. व्यावहारिक अनुवाद अभ्यास।
5. कार्यालयीन अनुवाद–कार्यालयीन एवं प्रशासनिक शब्दावली, प्रशासनिक, प्रयुक्तियाँ, पदनाम, विभाग आदि
6. पत्रों के अनुवाद।
7. पदनामों, अनुभागों, दस्तावेजो, प्रतिवेदनों के अनुवाद।

ईकाई –V (10 घण्टे)

1. बैंक साहित्य के अनुवाद का अभ्यास
2. विधि साहित्य के अनुवाद का अभ्यास
3. साहित्यिक अनुवाद के सिद्धान्त एवं व्यवहार : कविता, कहानी, नाटक।
4. सारानुवाद
5. दुभाषिया प्रविधि

आधुनिक हिन्दी काव्य और उसका इतिहास

: HIN301

अंक–70

कोर्स आब्जेक्टिव– हिन्दी साहित्य के आधुनिक हिन्दी काव्य और उसके इतिहास का विश्लेषणात्मक ज्ञान देना। विभिन्न कवियों और उनकी कविताओं का विशिष्ट ज्ञान।

कोर्स लर्निंग आउटकम्स– हिन्दी साहित्य के आधुनिक युग का विशिष्ट ज्ञान।

प्रमुख कवियों व उनकी कविता की समझ विकसित होगी।

इकाई–1(10 घण्टे)

व्याख्यांश–

1. मैथिली शरण गुप्तः साकेत (नवमसर्ग)
2. जयशंकर प्रसादः कामायनी (चिंता, श्रद्धा एवंइड़ासर्ग)

इकाई–2(10 घण्टे)

मैथिली शरण गुप्त से सम्बन्धित समीक्षात्मक प्रश्न।

इकाई–3(10 घण्टे)

जयशंकर प्रसाद से सम्बन्धित समीक्षात्मक प्रश्न।

इकाई–4(10 घण्टे)

आधुनिक हिन्दी काव्य (छायावाद तक) की प्रमुख प्रवृत्तियाँ।

इकाई–5(10 घण्टे)

द्रुतपाठ के निर्धारित विजगन्नाथ दास रत्नाकर, अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध', महादेवी वर्मा और बालकृष्ण शर्मा, 'नवीन' से सम्बन्धित लघुउत्तरीय प्रश्न।

भाषा विज्ञान एवं हिन्दीभाषा

: HIN 302

अंक–70

कोर्स आब्जेक्टिव–

भाषा की प्रकृति और संरचनाः भाषा और संप्रेषण, मानवेतर संप्रेषण और मानव–संप्रेषण भाषा–व्यवस्था (लांग) और भाषा व्यवहार (परोल), भाषा के घटकः ध्वनि, शब्द, (रूप) वाक्य, प्रोक्ति (संवाद) बहुभाषित, सार्वभौमिक व्याकरण

कोर्स लर्निंग आउटकम्स–

भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा की समझ विकसित होगी, हिन्दी साहित्य की विधाओं का विषलेणात्मक अध्ययन।

इकाई–1(10 घण्टे)

भाषा और भाषा विज्ञान–भाषा की परिभाषा और अभिलक्ष्य, भाषा, व्यवस्था और भाषा–व्यवहार, भाषा संरचना और भाषिक–प्रकार्य। भाषा विज्ञान स्वरूप एवं व्याप्ति, अध्ययन की दिशाएं–वर्णनात्मक, ऐतिहासिक और तुलनातमक।

इकाई–2(10 घण्टे)

स्वन प्रक्रिया–स्वरूप और शाखाएं, वाग्यंत्र, और उनके कार्य, स्वनिम की अवधारणा–स्वनों का वर्गीकरण, स्वन गुण, स्वनिक–परिवर्तन।

इकाई–3(10 घण्टे)

व्याकरण– रूप विज्ञान का स्वरूप, रूपिम की अवधारणा वाक्य की अवधारणा–वाक्य के भेद–वाक्य–विश्लेषण–निकटस्थ अव्यय विश्लेषण, गहन–संरचना और बाह्य–संरचना।

इकाई–4 (10 घण्टे)

अर्थविज्ञान–अर्थ की अवधारणा। शब्द और अर्थ का संबंध। अर्थ प्राप्ति के साधन और अर्थ परिवर्तन।

इकाई–5(10 घण्टे)

साहित्य और भाषा विज्ञान–साहित्य के अध्ययन में भाषा विज्ञान के अंगों की उपयोगिता।

हिन्दी साहित्य का इतिहास

HIN303

अंक–70

कोर्स आब्जेक्टिव–

हिन्दी साहित्य के इतिहास का विश्लेषणात्मक ज्ञान देना।

इतिहास लेखन, प्रमुख इतिहास ग्रंथ और आधुनिक युगों का विशिष्ट ज्ञान प्रदान करना।

कोर्स लर्निंग आउटकम्स–

इतिहास लेखन और साहित्यिक इतिहास की समझ विकसित होगी। हिन्दी साहित्य के इतिहास का विश्लेषणात्मक अध्ययन।

इकाई–1(10 घण्टे)

हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा और साहित्योतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएं।

इकाई–2(10 घण्टे)

हिन्दी साहित्य के आदिकाल की पृष्ठभूमि, साहित्यक प्रवृत्तियां, काव्य धाराएं, गद्य साहित्य, प्रतिनिधि रचनाकार और इनकी रचनाएं।

इकाई–3(10 घण्टे)

पूर्व मध्यकाल भक्तिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठ भूमि, सांस्कृतिक चेतना एवं भक्ति आन्दोलन, विभिन्न का व्यधाराएं तथा उनका विश्लेषण, प्रमुख निर्गुण सन्त कवि और प्रमुख सूफी कवियों का अवदान।

इकाई–4(10 घण्टे)

राम और कृष्ण काव्यः प्रमुख कवि और उनका रचनात्मक वैशिष्ट्य।

इकाई–5(10 घण्टे)

उत्तर मध्यकाल रीतिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, काल सीमा और नामकरण, विविध धाराएं–रीतिबद्ध, रीति सिद्ध, रीति मुक्त प्रवृत्तियां और विशेषताएं।

हिन्दी साहित्य का इतिहास

: HIN304

अंक–70

कोर्स आब्जेक्टिव–

हिन्दी साहित्य के इतिहास का विश्लेषणात्मक ज्ञान देना।

इतिहास लेखन, प्रमुख इतिहास ग्रंथ और विभिन्न युगों का विशिष्ट ज्ञान प्रदान करना।

कोर्स लर्निंग आउटकम्स– इतिहास लेखन और साहित्यिक इतिहास की समझ विकसित होगीं हिन्दी साहित्य के विभिन्न युगों का विश्लेषणात्मक अध्ययन।

इकाई–1(10 घण्टे)

गोदान, उपन्यास–कहानी बूढ़ी काकी, बड़े भाईसाहब, शतरंज के खिलाड़ी।

इकाई–2 (10 घण्टे)

प्रेमचंद युगीन परिवेश।

इकाई–3(10 घण्टे)

हिन्दी उपन्यास परम्परा और प्रेमचंद।

इकाई–4(10 घण्टे)

हिन्दी कहानी उद्भव, विकास और प्रेमचंद।

इकाई–5(10 घण्टे)

द्रुतपाठ–विश्वम्भरनाथ शर्मा ’कौशिक’, श्रीवृन्दावन लाल वर्मा, श्री पाण्डेय बेचन शर्मा ’उग्र’, श्री भगवती प्रसाद वाजपेयी।

भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा

HIN-401

अंक–70

कोर्स आब्जेक्टिव–

भाषा विज्ञान की विशिष्ट समझ विकसित होगी। भाषा की विशेषताओं और उपांगों का विश्लेषणात्मक ज्ञान होगा।

कोर्स लर्निंग आउटकम्स– भाषा और उसके उपांगों का ज्ञान।

इकाई – एक (10 घण्टे)

हिन्दी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि प्राचिन भारतीय आर्य भाषाएं वैदिक तथा लौकिक संस्कृति और उनकी विशेषताएं । मध्यकालिन भारतीय आर्य भाषाएं पाल प्राकृति शौर सेनी अर्धमांगधी अपभ्रंश और उनकी विशेषताएं । आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएं और भाषाएं और उनका वर्गीकरण ।

इकाई.– दो (10 घण्टे)

हिन्दी का भौगोलिक विस्तार– हिन्दी की उपभाषाएं पश्चिमी हिन्दी पूर्वी हिन्दी राजस्थानी बिहारी तथा पहाड़ी और उनकी और उनकी बोलियां। खड़ी बोली ब्रज और अवधी की विशेषताएं ।

इकाई–तीन (10 घण्टे)हिन्दी का भाषा स्वरुप– हिन्दी की स्वर्णिम व्यवस्था खंड्य खंडेतर। हिन्दी की शब्द रचना उपसर्ग प्रत्यय समास रुप रचना लिंग वचन और कारक व्यवस्था के संदर्भ में हिन्दी की संज्ञा सर्वनाम विशेषण और क्रिया रुप हिन्दी वाक्य रचना रचना पदक्रम और अन्विति ।

इकाई–चार (10 घण्टे)

हिन्दी के विविध रुप– संपर्क भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा के रुप में हिन्दी माध्यम भाषा संचार भाषा हिन्दी की संवैधानिक स्थिति ।

इकाई –पांच (10 घण्टे)

हिन्दी में कम्प्यूटर सुविधाएं –आंकड़ा संसाधन और शब्द संसाधन, वर्तनी, शोधक मशीनी अनुवाद हिन्दी भाषा शिक्षण, देवनागरी लिपि विशेषताएं और मानकीकरण ।

HIN402

हिन्दी साहित्य का इतिहास

HIN-402

अंक–70

कोर्स आब्जेक्टिव–

हिन्दी साहित्य के इतिहास का विश्लेषणात्मक ज्ञान देना। इतिहास लेखन, प्रमुख इतिहास ग्रंथ और आधुनिक युगों का विशिष्ट ज्ञान

कोर्स लर्निंग आउटकम्स–

इतिहास लेखन और साहित्यिक इतिहास की समझ विकसित होगी। हिन्दी साहित्य के इतिहास का विश्लेषणात्मक अध्ययन।

इकाई –एक (10 घण्टे)

आधुनिक काल रूप आधुनिक काल की सामाजिक राजनीतिक आर्थिक एवं सांस्कृतिक पृप्ठ भूमि सन् 1857 ई. का प्रथम स्वाधिनता संग्राम और पुनर्जागरण भारतेन्दु युग प्रमुख साहित्यकार रचनायें और साहित्यिक विशेषतायें।

इकाई–दो (10 घण्टे)

द्विवेदी युग प्रमुख साहित्यकार रचनायें और साहित्यिक विशेषतायें हिन्दी स्वच्छंदता वादी चेतना का अग्रिम विकास छायावादी काव्य प्रमुख साहित्यकार रचनायें और साहित्यिक विशेपतायें ।

इकाई–तीन (10 घण्टे)

उत्तर छायावाद काव्य की विविध प्रवृत्तियां: प्रगतिवाद प्रयोग वाद नयी कविता प्रमुख साहित्यकार रचनायें और साहित्यिक विशेषतायें ।

इकाई– चार (10 घण्टे)

हिन्दी गद्य की प्रमुख विधायें कहानी उपन्यास नाटक निबन्ध आदि ।

इकाई –पांच (10 घण्टे)

संस्मरण रेखाचित्र जीवनी आत्मकथा का विकास हिन्दी आलोचना का उद्भव एवं विकास स्त्री विमर्श और दलित विमर्श का परिचय ।

आधुनिक हिन्दी काव्य और उसका इतिहास

HIN 403

अंक–70

कोर्स आब्जेटिव–

आधुनिक हिन्दी काव्य और उसका इतिहास का विश्लेषणात्मक ज्ञान देना। आधुनिक हिन्दी कवियों का विशिष्ट ज्ञान।

कोर्स लर्निंग आउटकम्स–

हिन्दी साहित्य के आधुनिक हिन्दी कवियों के इतिहास का अध्ययन एवं प्रमुख कवियों व युग की समझ विकसित करना।

इकाई–एक (10 घण्टे)

1 सुमित्रानन्दन पन्त परिवर्तन नौका विहार एकतारा ।
2 सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला राम की शक्ति पूजा कुकुरमुत्ता ।
3 सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन अज्ञेय नदी के द्वीप सरस्वती पुत्र असाध्य वीणा ।
4 गजानन माधव मुक्तिबोध ब्रहाराक्षस भूल गलती ।
5 सुमित्रानन्दन पन्त सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला अज्ञेय एवं मुक्तिबोध की कविताओं से व्याख्यांश ।

इकाई. दो (10 घण्टे)

आधुनिक हिन्दी काव्य छायावाद तक की प्रमुख प्रवृत्तियॉं इतिहास कवि ।

इकाई– तीन (10 घण्टे)

छायावादोत्तर काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियॉं इतिहास एवं कवि ।

इकाई– चार (10 घण्टे)

निर्धारित कवियों पर समीक्षक प्रश्न ।

इकाई – पांच (10 घण्टे)

द्रुत पाठ रामधारी सिंह दिनकर हरिवंशराय बच्चन भवानी प्रसाद मिश्र नरेश मेहता से प्रश्न ।

सूरदास

HIN404

अंक–70

कोर्स आब्जेक्टिव–

हिन्दी साहित्य के भक्तिकालीन कवि सूरदास की समस्त रचनाओं का ज्ञान एवं उनके पदों का भी समझ विकसित होगी।

कोर्स लर्निंग आउटकम्स–

भक्तिकालीन काव्य में सूरदास का स्थान एवं उनके पदों का भी समझ विकसित होगी।

इकाई –एक (10 घण्टे)

व्याख्याएं . मथुरागमन से अंत तक की व्याख्याएं सूर सागर सार सम्पादक नन्ददुलारे वाजपेयी

इकाई– दो (10 घण्टे)

भक्तिकाल की एतिहासिक पृप्ठभूमि एवं विविध काव्य धाराएं ।

इकाई–तीन (10 घण्टे)

कृण्णभक्ति काव्यधारा का परिचय एवं प्रवृत्तियॉ एवं अप्टछाप के कवि ।

इकाई–चार (10 घण्टे)

सूरदास पर आलोचनात्मक प्रश्न ।

इकाई –पांच (10 घण्टे)

चतुर्भुजदास नन्ददास रसखान मीरा ।

निर्देशात्मक वितरण तंत्र:

निर्देशात्मक वितरण तंत्र और विभिन्न मीडिया जिसके माध्यम से अध्ययन इनपुट इस कार्यक्रम के लिए प्रदान की जाएगी प्रिंट सामग्री (एसएलएम), आमने-सामने हैं और ऑन-लाइन (ई-मेल) व्हाट्सएप, सोशल मीडिया आदि , ट्यूटोरियल, फेस टू फेस और ऑन-लाइन (ई-मेल, व्हाट्सएप ए सोशल मीडिया आदिAAJkGhAA

ई 4। मीडिया और छात्र सहायता सेवा की पहचान:

रिसर्च एंड मीडिया सपोर्ट सर्विस विंग को दो तह के साथ स्थापित किया गया है घर के अनुसंधान में सुविधा प्रदान करने का उद्देश्य दूरस्थ शिक्षा के साथ-साथ दूरी को पूरा करना मल्टी-मीडिया सुविधाओं के साथ सीखने वाले । इसमें आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों के बारे में जानकारी शामिल है निदेशालय, प्रशासनिक कार्यों में सहायता करने आईसीटी उपकरणों के साथ समर्थन आदि सभी वेबसाइट में आवश्यक जानकारी अपडेट कर रहा है www.SSSUTMS.CO.IN.net

इंटरनेट सुविधा:

निदेशालय के सभी नामांकित छात्र वेबसाइट पर लॉग इन करके विभिन्न सुविधाओं का लाभ उठा सकते हैं-सामान्य जानकारी के अलावा कुछ सुविधाएं हैं -

असाइनमेंट प्रश्न।
महत्वपूर्ण तिथियां।
परिणाम

छात्र सहायता सेवा:

अध्ययन सामग्री

निदेशालय ने स्व अध्ययन सामग्री (एसएलएम) में सभी अध्ययन सामग्री तैयार की है कार्यशालाओं की मदद से पाठ्यक्रम लेखकों और संपादकों के साथ समन्वय में प्रारूप दूरस्थ शिक्षा परिषद यूजीसी नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित

इंडक्शन मीट

डी.डी.ई. शुरू होने से पहले शिक्षार्थियों के लिए एक दिन का इंडक्शन मीट आयोजित करता है खुले और दूरस्थ शिक्षा का स्पष्ट नक्शा देने के लिए पिछले वर्ष के सत्रों की काउंसलिंग करें एवं इंडक्शन मीट आयोजित करें।

शिक्षार्थी मिलते हैं:

डीडीई एक दिवसीय शिक्षार्थियों से मिलकर उनकी विभिन्न समस्याओं का समाधान करता है एवं सीखने की प्रक्रिया को प्रशस्त करता है।

प्रयोगशाला सहायता और पुस्तकालय संसाधनों की आवश्यकता:

कार्यक्रम हिंदी प्रयोगशाला समर्थन सेवाओं की आवश्यकता नहीं है। पुस्तकालय के बारे में संसाधनों एक पुस्तकालय शिक्षार्थियों के लिए वर्ष 2012 में डीडीई में स्थापित किया गया थाए स्टाफ शिक्षण प्रशासनिक कर्मचारियों के साथ-साथ संस्था के कर्मचारी। इसके अलावा एक केंद्रीय पुस्तकालय है |

गुणवत्ता आश्वासन तंत्र और अपेक्षित कार्यक्रम परिणाम: के रूप में गुणवत्ता आश्वासन के लिए मूल्यांकन और अनुरेखक अध्ययन आयोजित किया जाएगा आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन के लिए केंद्र। इसके अलावाए संशोधन और प्राप्त करने के द्वारा सामग्री का अद्यतन छात्रों और संसाधन व्यक्तियों से प्रतिक्रिया ली जाएगी। एक उच्चस्तरीय समिति का गठन साथ डीन, विभागाध्यक्षों, विश्वविद्यालय विभागों के विषय विशेषज्ञों और निदेशालय भी होगा, पाठ्यक्रम के उन्नयन, पाठ्यक्रम डिजाइन और अन्य शैक्षणिक और शैक्षणिक पहलुओं की निगरानी करें SSSUTMS SEHORE के सभी कार्यक्रम निर्धारित होंगे।

परीक्षा–योजना

— प्रत्येक सेमेस्टर के अंत में लिखित परीक्षा होगी। परीक्षा की अवधि तीन घंटे की होगीं प्रत्येक प्रश्नपत्र के पूर्णांक 70 होंगे।

— आंतरिक मूल्यांकन प्रत्येक सेमेस्टर में हर प्रश्नपत्र के लिए होगा, इसके लिए प्रत्येक प्रश्नपत्र के पूर्णांक 30 होंगे।

— विश्वविद्यालय के परीक्षा विभाग के नियमानुसार अंकों को सीजीपीए (CGPA) में परिवर्तित किया जाएगा।